DSSSB TGT & PGT
Part-B
SCHOLAR BATCH
संस्कृत
हल् सन्धि
सन्धि (व्यंजन सन्धि)
LIVE 29-03-2024 05:00 PM

अथ हल्सन्धिः

श्चुत्वविधायकं विधिसूत्रम्

६२.

स्तोः श्चुना श्चुः ८।४।४० ॥

सकारतवर्गयोः शकारचवर्गाभ्यां योगे शकारचवर्गौ स्तः ।

रामश्शेते। रामश्चिनोति। सच्चित्। शार्ङ्गिञ्जय।।

सकार और तवर्ग के स्थान पर शकार और चवर्ग का योग होने पर शकार और चवर्ग आदेश होते हैं।

① श्चुत्व संधि

स्तोः श्चुना श्चुः

(षष्ठी — स्तोः; तृतीया — श्चुना; प्रथमा — श्चुः)

स् / तवर्ग + श् / चवर्ग = श् / चवर्ग

(स्थानी) — निमित्त — (आदेश)

स् त् थ् द् ध् न्
① ② ③ ④ ⑤ ⑥

श् च् छ् ज् झ् ञ्
① ② ③ ④ ⑤ ⑥

(यथासंख्यमनुदेशः समानाम्)

उदा० :- रामश्शेते

रामः + शेते

रामस् + शेते

(विसर्जनीयस्य सः)

विसर्ग (:) + खर् = स्

श् च् छ् ज् झ् ञ्

रामश्शेते

खर् = क ख च ट त प छ ठ थ फ + श् ष् स्

(1, 2)

(13)

② राम: चिनोति (विसर्जनीयस्य सः)

रामस् + चिनोति

रामश्चिनोति

③ सच्चित

सत् + चित् (स्तोः श्चुना श्चुः)

(यथासंख्यमनुदेशः समानाम्)

प्रत्येक ?

श् च् छ् ज् झ् ञ्

इनमें से दो वर्ण

(5) शार्ङ्गिन् + जयः

शार्ङ्गिञ्जयः

चुत्वनिषेधकं विधिसूत्रम्

६३.

शात् ८|४|४४ ॥

शात्परस्य तवर्गस्य चुत्वं न स्यात् । विश्नः । प्रश्नः ।

तालव्य शकार से परे तवर्ग को चुत्व नहीं होता है।

यह सूत्र स्तोः श्चुना श्चुः इस सूत्र का निषेधक सूत्र है, जो तालव्य शकार से परे तवर्ग के चुत्व का निषेध करता है। इस तरह शकार से परे तवर्ग का श्चुत्व नहीं होता है किन्तु चवर्ग से परे तवर्ग का चुत्व हो जाता है।

विश्नः । गमन । विश् + नः इस स्थिति में शकार से परे नकार के स्थान पर स्तोः श्चुना श्चुः से श्चुत्व प्राप्त था तो शात् ने शकार से परे होने के कारण निषेध कर दिया, विश्नः ही रह गया। यदि चुत्व हो जाता तो विश्ञः ऐसा अनिष्ट रूप बन जाता।

प्रश्नः। सवाल। प्रश्+ नः इस स्थिति में शकार से परे नकार के स्थान पर स्तोः श्चुना श्चुः से श्चुत्व प्राप्त था तो शात् ने शकार से परे होने के कारण निषेध कर दिया, प्रश्नः ही रह गया। यदि चुत्व हो जाता तो प्रश्ञः ऐसा अनिष्ट रूप बन जाता।

शात्

① प्रश् + नः = प्रश्नः

② विश् + नः = विश्नः

ष्टुत्वविधायकं विधिसूत्रम्

६४.

ष्टुना ष्टुः ।८ ।४/४१ ॥

स्तोः ष्टुना योगे ष्टुः स्यात् ।

रामष्ष्षष्ठः । रामष्टीकते । पेष्टा । तट्टीका । चक्रिण्ढौकसे ।।

दन्त्य सकार और तवर्ग के स्थान पर मूर्धन्य षकार और टवर्ग का योग होने पर मूर्धन्य षकार और टवर्ग आदेश होते हैं।

① रामः षष्ठः (विसर्जनीयस्य सः)

रामस् + षष्ठः (ष्टुना ष्टुः)

(स्थानी) स् त् थ् द् ध् न्

↓ ↓ ↓ ↓ ↓ ↓

ष् ट् ठ् ड् ढ् ण्

रामष्षष्ठः

② रामः टीकते (विसर्जनीयस्य सः)

रामस् + टीकते (ष्टुना ष्टुः)

रामष्टीकते

③ पेष् + ता (ष्टुना ष्टुः

पेष्टा

④ तत् + टीका

तट्टीका

⑤ चाक्रिन् + ढौकसे

चाक्रिण्ढौकसे

:- ष् ट वर्ग के दो वर्ण एक साथ दिखें तो ष्टुत्व संधि होती है

ष् ट् ठ् ड् ढ् ण्